भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न सं. 4876**
01 अप्रैल, 2025 को उत्तरार्थ

**विषय: लाल मिर्च हेतु शीतागार सुविधा**

**4876. श्री कुंदुरु रघुवीरः**

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि सामान्यतः फसल कटाई के व्यस्ततम मौसम के दौरान बाजार संतृप्ति के चलते लाल मिर्च की कीमतें गिरती हैं और बाद में उनमें काफी वृद्धि हो जाती है;

(ख) क्या सरकार ने लाल मिर्च उगाने वाले प्रमुख क्षेत्रों में अतिरिक्त शीतागार सुविधाएं स्थापित करने की आवश्यकता का आकलन किया है ताकि किसानों को अपने उत्पाद का भण्डारण करने और मजबूरी में बिक्री से बचने में सहायता मिल सके;

(ग) लाल मिर्च उत्पादक राज्यों, विशेषकर आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और अन्य प्रमुख मिर्च उत्पादक क्षेत्रों में शीतागार सुविधाओं की वर्तमान उपलब्धता कितनी है;

(घ) विगत तीन वर्षों के दौरान विभिन्न राज्यों में फसल कटाई की व्यस्ततम अवधि और फसल कटाई पश्चात् की अवधि के दौरान लाल मिर्च की बाजार की कीमतों की तुलनात्मक स्थिति क्या है; और

(ङ) सरकार और अधिक शीतागार इकाइयों के निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठा रही है और क्या इस प्रयोजनार्थ किसानों अथवा उद्यमियों के लिए कोई राजसहायता या वित्तीय सहायता योजनाएं उपलब्ध हैं?

**उत्तर**

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): लाल मिर्च की कीमतें आम तौर पर समग्र मांग और आपूर्ति से प्रभावित होती हैं तथा प्रमुख उत्पादक राज्यों में फसल कटाई की व्यस्ततम अवधि में गिरावट की प्रवृत्ति देखी गई है।

(ख): राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की परामर्शदात्री सेवा (नैबकॉन्स) द्वारा वर्ष 2015 में "ऑल इंडिया कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्राक्चर कैपेसिटी (एआईसीआईसी-2015)" पर एक अध्ययन किया गया था। अध्ययन में मिर्च सहित शीघ्र खराब होने वाली वस्तुओं के लिए कोल्ड स्टोरेज की आवश्यक क्षमता का आकलन किया गया था। देश में वर्ष 2014 में वांछित क्षमता 351.00 लाख मीट्रिक टन के सापेक्ष 318.23 लाख मीट्रिक टन मौजूदा क्षमता थी। अध्ययन में वर्ष 2019-20 तक कोल्ड स्टोरेज की आवश्यकता का भी आकलन किया गया, जो कि देश में 519.53 लाख मीट्रिक टन थी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 31 जनवरी, 2025 तक देश में 8760 कोल्ड स्टोरेज हैं जिनकी क्षमता 397.08 लाख मीट्रिक टन है।

(ग) और (घ): देश में एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) योजना के अंतर्गत स्वीकृत कोल्ड स्टोरेज का राज्यवार विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है ।

आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में फसल कटाई की व्यस्ततम अवधि और फसल कटाई पश्चात् की अवधि के दौरान लाल मिर्च (सूखी) के बाजार मूल्य **अनुलग्नक-II** में दिए गए हैं।

(ङ): कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्लू) एमआईडीएच योजना को क्रियान्वित कर रहा है जिसके तहत देश भर में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में मिर्च सहित शीघ्र खराब होने वाले बागवानी उत्पादों के भंडारण और फसल कटाई के उपरांत हानि को कम करने के लिए 5000 मीट्रिक टन तक की क्षमता वाले कोल्ड स्टोरेज के निर्माण/ विस्तार/ आधुनिकीकरण सहित विभिन्न बागवानी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। कोल्ड स्टोरेज घटक मांग/ उद्यमी आधारित है जिसके लिए सामान्य क्षेत्रों में परियोजना लागत के 35% और पहाड़ी और अनुसूचित क्षेत्रों में परियोजना लागत के 50% की दर से क्रेडिट लिंक्ड बैक एंडेड सब्सिडी के रूप में सरकारी सहायता उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (एनएचबी) भी "कोल्ड स्टोरेज एंड स्टोरेज फॉर हॉर्टिकल्चर प्रोडक्ट्स" के भंडारण के निर्माण/ विस्तार/ आधुनिकीकरण के लिए पूंजी निवेश सब्सिडी" नामक एक स्कीम कार्यान्वित कर रहा है । इस स्कीम के तहत, 5000 मीट्रिक टन से अधिक और 20000 मीट्रिक टन तक की क्षमता के कोल्ड स्टोरेज और नियंत्रित वातावरण (सीए) भंडारण के निर्माण/ विस्तार/ आधुनिकीकरण के लिए सामान्य क्षेत्रों में परियोजना की पूंजी लागत का 35% और पूर्वोत्तर, पहाड़ी और अनुसूचित क्षेत्रों के मामले में 50% की दर से क्रेडिट लिंक्ड बैक-एंडेड सब्सिडी उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, इंटीग्रेटेड स्कीम फॉर एग्रीकल्चरल मार्केटिंग (आईएसएएम) की उप-योजना "एग्रीकल्चर मार्केटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर (एएमआई)" को कोल्ड स्टोरेज सहित एग्रीकल्चर मार्केटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए विपणन और निरीक्षण निदेशालय (डीएमआई) के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है।

**अनुलग्नक-I**

## दिनांक 31.01.2025 तक एमआईडीएच योजना के तहत कोल्ड स्टोरेज का राज्यवार वितरण

| क्र. सं. | राज्य का नाम | परियोजनाओं की संख्या | क्षमता (मीट्रिक टन) |
|---|---|---|---|
| 1 | आंध्र प्रदेश | 254 | 1471833 |
| 2 | अरुणाचल प्रदेश | 1 | 3983 |
| 3 | असम | 37 | 203734 |
| 4 | बिहार | 174 | 734438 |
| 5 | चंडीगढ़ | 1 | 246 |
| 6 | छत्तीसगढ | 89 | 374458 |
| 7 | दिल्ली | 9 | 20655 |
| 8 | गोवा | 1 | 3633 |
| 9 | गुजरात | 850 | 3120386 |
| 10 | हरियाणा | 171 | 549792 |
| 11 | हिमाचल प्रदेश | 61 | 126608 |
| 12 | जम्मू और कश्मीर | 67 | 309412 |
| 13 | झारखंड | 43 | 198735 |
| 14 | कर्नाटक | 159 | 800009 |
| 15 | केरल | 6 | 16044 |
| 16 | मध्य प्रदेश | 186 | 762773 |
| 17 | महाराष्ट्र | 330 | 803946 |
| 18 | मणिपुर | 1 | 1600 |
| 19 | मेघालय | 1 | 5000 |
| 20 | मिजोरम | 1 | 3471 |
| 21 | नागालैंड | 1 | 5000 |
| 22 | ओडिशा | 95 | 369319 |
| 23 | पंजाब | 449 | 1535305 |
| 24 | राजस्थान | 125 | 505136 |
| 25 | सिक्किम | 1 | 100 |
| 26 | तमिलनाडु | 74 | 280972 |
| 27 | तेलंगाना | 105 | 605131 |
| 28 | त्रिपुरा | 5 | 24904 |
| 29 | उत्तर प्रदेश | 1847 | 10107253 |
| 30 | उत्तराखंड | 21 | 43368 |
| 31 | पश्चिम बंगाल | 151 | 614051 |
| | **कुल** | **5316** | **23601296** |

स्रोत: एमआईडीएच अनुभाग, डीएएंडएफडब्ल्यू

**अनुलग्नक – II**

**पिछले तीन वर्षों से फसल कटाई की व्यस्ततम अवधि के दौरान और फसल कटाई पश्चात् की अवधि के दौरान प्रमुख उत्पादक राज्यों में सूखी मिर्च (लाल) के मंडी मूल्य।**

| | 2022-23 | | 2023-24 | | 2024-25 | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| राज्य | फसल कटाई की व्यस्ततम अवधि के दौरान मंडी वेट औसत कीमत (22 अक्टूबर से 23 मार्च) | फसल कटाई पश्चात् की अवधि के दौरान मंडी वेट औसत कीमत (22 अप्रैल से 22 सितम्बर) | फसल कटाई की व्यस्ततम अवधि के दौरान मंडी वेट औसत कीमत (23 अक्टूबर से 24 मार्च) | फसल कटाई पश्चात् की अवधि के दौरान मंडी वेट औसत कीमत (23 अप्रैल से 23 सितम्बर) | फसल कटाई की व्यस्ततम अवधि के दौरान मंडी वेट औसत कीमत (24 अक्टूबर से 25 मार्च) | फसल कटाई पश्चात् की अवधि के दौरान मंडी वेट औसत कीमत (24 अप्रैल से 24 सितम्बर) |
| आंध्र प्रदेश | 17,751 | 16,646 | 16,425 | 18,655 | 11,997 | 13,831 |
| कर्नाटक | 25,482 | 15,630 | 25,933 | 27,004 | 19,142 | 18,754 |
| तेलंगाना | 19,934 | 14,393 | 18,389 | 20,147 | 9,224 | 12,836 |

नोट: सूखी लाल मिर्च को संबंधित राज्य प्राधिकरणों के अंतर्गत संबंधित एपीएमसी द्वारा एगमार्कनेट पोर्टल पर सूखी मिर्च के रूप में रिपोर्ट किया जाता है।

स्रोत: एगमार्कनेट

******